



Sri Sathya Sai Sadhana Trust

Publications Division, Prasanthi Nilayam

CHAMAKAM

5th Anuvaka

अ॒श्मा॑ च॒ मे॒ मृ॒त्तिका॑ च॒ मे॒
aśmā ca me mṛttikā ca me
गि॒रय॑श्च॒ मे॒ पर्व॑ताश्च॒ मे॒
girayaśca me parvatāśca me
सि॒कता॑श्च॒ मे॒ वन॑स्पतयश्च॒ मे॒
sikatāśca me vanaspatayaśca me
हि॒रण्यं॑ च॒ मे॒ऽय॑श्च॒ मे॒
hiraṇyam ca me'yaśca me
सी॒सं च॒ मे॒ त्र॑पुश्च॒ मे॒
sīsam ca me trapuśca me
श्या॒मं च॒ मे॒ लो॒हं च॒ मे॒
śyāmaṁ ca me loham ca me
अ॒ग्नि॑श्च॒ म॒ आ॒पश्च॑ मे॒
agniśca ma āpaśca me
वी॒रुध॑श्च॒ म॒ ओ॒षध॑यश्च॒ मे॒
vīrudhaśca ma ośadhayaśca me

कृष्टपच्यं च मेऽकृष्टपच्यं च मे
kr̥ṣṭapacyam̐ ca me'kr̥ṣṭapacyam̐ ca me
ग्राम्याश्च मे पशव आरण्याश्च
grāmyāśca me paśava āraṇyāśca
यज्ञेन कल्पन्तां
yajñena kalpantām
वित्तं च मे वित्तिश्च मे
vittam̐ ca me vittiśca me
भूतं च मे भूतिश्च मे
bhūtam̐ ca me bhūtiśca me
वसु च मे वसतिश्च मे
vasu ca me vasatiśca me
कर्म च मे शक्तिश्च मे
karmā ca me śaktiśca me
अर्थश्च म एमश्च म
arthaśca ma emāśca ma
इतिश्च मे गतिश्च मे ॥५॥
itiśca me gatiśca me ॥5॥